Title: Need to provide security to Kunwar Akhilesh Singh, Member of Parliament.

MR. SPEAKER: Now, we go to Zero Hour

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मैंने शुक्रवार को कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था और आपने कहा कि मुझे सोमवार को इस पर शून्य काल में बोलने का अवसर दिया जाएगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हमारा विाय बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए पहले हमें बोलने का मौका दिया जाए।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : इनका लाठी से सम्बन्धित मामला है।

अध्यक्ष महोदय : विजय कुमार जी, मैंने शुक्रवार को अखिलेश सिंह जी को आज सबसे पहले बोलने की मान्यता दी थी इसलिए मैं पहले उनको मौका दे रहा हूं।

कुंवर अखिलेश सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के मुंडेरवा में पुलिस की गोली से तीन किसान मारे गये थे। इस सदन के में, कार्य-स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से, मैंने यह प्रकरण उठाया था। इसी सदन के अंदर जब राज्य सरकार के बयान के आधार पर, केन्द्र सरकार ने, अपना वक्तव्य दिया था तो उसके अंतर्गत के वल एक किसान के मारे जाने की बात कही गयी थी। मैं आपके संज्ञान में यह बात लाया था कि तीन किसानों की मौत के मामले में सदन को गुमराह किया गया है, सदन के साथ धोखाधड़ी की गयी है। बार-बार जब मैंने यह मामला उठाया तो उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती जी मुझसे कुपित हो गयीं। इसके बाद जब संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना के अंतर्गत, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री, मायावती जी द्वारा, भ्रटाचार के मामले को रखा गया और जब उस भ्रटाचार में हिस्सेदारी मांगी गयी तो उस प्रकरण को भी मैंने कार्य-स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से, इस सदन के अंदर उठाया और उसका टेप भी आपको सुपुर्द किया। मान्यवर, इसके पश्चात् मायावती जी ने समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक तौर पर हमें धमकाया कि जो लोग मेरे खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं उनको सबक सिखाया जाएगा और जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश में महामहिम राज्यपाल जी को यह टेप सौंपी, उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोत वाली में मुकदमा दर्ज करवा दिया। मेरे विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। लेकिन जब अधिकारियों ने उन्हें बताया कि यह मामला लोक सभा का है और लोक सभा इस पर कार्यवाही कर सकती है तो उनके हाथ बंध गये।

मान्यवर, इसके बाद मेरी हत्या के लिए उत्तर प्रदेश के कुख्यात माफिया डॉन मुख्तियार अंसारी, जिन्होंने विश्व-हिंदू-परिाद् के राट्रीय कोाध्यक्ष नंद किशोर रुंगटा की निर्मम हत्या की थी, उनको और उत्तर प्रदेश के अपराधी मंत्री अमरमणि त्रिपाठी, जिन्हें माननीय राजनाथ सिंह जी की सरकार ने बच्चे के अपहरण के मामले में गिरफ्तार करके बर्खास्त करने का काम किया था, उन्हें मेरे और मेरे भाई की हत्या की जिम्मेदारी सौंपी। मुख्तियार अंसारी को उत्तर प्रदेश की सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है, यह मेरा आरोप है।â€¦ (व्यवधान) मान्यवर, मैं मारकंडेय काटजू जी के फैसले को आपके समक्ष रखना चाहता हूं।

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : अध्यक्ष जी, यह क्या आरोप लगा रहे हैं, â€¦ (व्यवधान) मुख्यमंत्री इनको मारने की कोशिश करेंगी।â€¦ (व्यवधान) क्या बेसलैस बातें लोक सभा के अंदर कही जाएंगी?

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये, इनका नोटिस है।

श्री राशिद अल्वी : अध्यक्ष जी, कभी टेप की बात, कभी फैसले की बात, ये कहना क्या चाहते हैं?

कुंवर अखिलेश सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के अपराधी मंत्री अमरमणि त्रिपाठी को, मुझे और मेरे भाई की हत्या के लिए, मुख्यमंत्री मायावती जी ने खुला संरक्षण दे रखा है। अभी चार दिन पहले इलाहाबाद हाई-कोर्ट के जजों ने उसके खिलाफ फैसला दिया और उसके खिलाफ एक लाख रुपये के जुर्माने का आदेश दिया है। उसके बाद भी उसको पद पर बैठाए रखा गया है। मुख्तियार अंसारी को भी इस प्रकार का खुला संरक्षण दिया गया है कि वे जेल से सीधे डीजीपी के दफ्तर में जा रहे हैं। कल तो उन्हेंने जिला जेल में जेलर के ऊपर रिवाल्वर तानने का काम कियाâ€¦ (व्यवधान) उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री द्वारा कुंवर अखिलेश सिंह और उनके छोटे भाई कुंवर कौशल सिंह की हत्या के लिए उनको निर्देशित किया गया।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने इस विाय में माननीय गृह मंत्री जी को लिखा है कि वे आपको सुरक्षा देंगे।

कुंवर अखिलेश सिंह : मान्यवर, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री द्वारा बदले की भावना से हमारे और हमारे भाई की हत्या की साजिश रची जा रही है और अपराधी मंत्री को संरक्षण दिया जा रहा है। माफिया डॉन मुख्तियार अंसारी को खुला संरक्षण दिया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान) जेलर के ऊपर रिवाल्वर तानने वाले अपराधी को संरक्षण दिया जा रहा है। इसलिए मैं चाहता हूं कि यह सदन इस बात को संज्ञान में ले कि मेरी और मेरे भाई की जान को खतरा है। इसलिए हम आपका संरक्षण चाहते हैं।